ECONOMICS

By

Mustafa Nawaz

(Astt. Professor,LSW)

Shershah College, Sasaram

प्रति व्यक्ति आय :

- प्रति व्यक्ति आय से वस्तुतः किसी राष्ट्र की औसत आय प्राप्त की जाती है।
- इसका मान ज्ञात करने के लिए राष्ट्रीय आय में देश की कुल जनसंख्या से भाग दिया जाता है।
- प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि वस्तुओं और सेवाओं की उपलब्धता में हुई वृद्धि की परिचायक होती है।

आर्थिक विकास को मापने के लिए प्रति व्यक्ति आय की संकल्पना :

1. अर्थशास्त्रियों ने आर्थिक विकास को मापने हेतु प्रति व्यक्ति आय को आधार बनाया है।
2. आर्थिक गतिविधि एक जटिल प्रक्रिया है।
3. आर्थिक विकासके दौरान कई परिवर्तन होते हैं।
4. प्रति व्यक्ति आय एक महत्वपूर्ण सूचक है।
5. राष्ट्रीय आय और संपति का समान वितरण।

आर्थिक विकास:

- आर्थिक विकास वस्तुत: उत्पादकता में वृद्धि की संकल्पना है।
- यह एक दीर्घ कालीन प्रक्रिया है जिसमें नई शक्तियों का जन्म होता है और प्रतिफल के रूप में उत्पादन में वृद्धि होती है।
- इसमें तकनीकी एवं संस्थागत परिवर्तन होता है।
- इसके लिए संरचनात्मक परिवर्तन अनिवार्य है।

आर्थिक समृद्धि :

- यह एक दीर्घकालीन प्रक्रिया है जिसमें उत्पादन में वृद्धि होता है।
- इसके लिए संरचनात्मक परिवर्तन पहले से हो चुका होता है।
- यह आधारभूत संरचना के सृजन में प्रत्यक्ष रूप से सहायक नही है।
- इसके लिए संसाधनों को गत्यात्मक बनाने तथा उसके संरक्षण एवं संवर्द्धन की आवश्यकता होती है।

सारांश :

- जब तक राष्ट्रीय आय और संपति का असमान वितरण कम नही होगा, तब तक प्रति व्यक्ति आय पर आर्थिक विकास निर्भर नहीं रहेगा। अगर सकल राष्ट्रीय उत्पाद में वृद्धि होने से प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि होगी, लेकिन आय एवं संपत्ति का वितरण आसमान रहेगा तो इसे आर्थिक विकास नहीं कहा जाएगा।

1. धन्यवाद!